

## नीलम नीरद सहति झारखंड की 4 महिलाओं को भारत सरकार के संस्कृतमंत्रालय का फेलोशिप

### चर्चा में क्यों?

27 जुलाई, 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार जादोपटिया चित्रकार नीलम नीरद सहति झारखंड के चार संस्कृतकर्मियों को भारत सरकार के संस्कृतमंत्रालय का वर्ष 2020-21 का फेलोशिप अवॉर्ड मला है।

### प्रमुख बडि

- जादोपटिया चित्रकार नीलम नीरद सहति झारखंड के तीन संस्कृतकर्मियों को वर्ष 2020-21 का सीनियर फेलोशिप अवॉर्ड मला है, जबकि इसी वर्ष के जूनियर फेलोशिप अवॉर्ड के लिये राज्य से एक कलाकार का चयन कया गया है।
- यह बड़ा इततेफाक है कि इस वर्ष के लिये झारखंड से जनि चार नामों को सीनियर और जूनियर फेलोशिप अवॉर्ड के लिये चुना गया, वे सभी महिलाएँ हैं।
- दुमका की नीलम नीरद को जनजातीय चित्रकला, राँची की सीमा देवी को लोकगीत और राँची की ही मोनलि सनिहा को थियेटर के लिये सीनियर फेलोशिप तथा बोकारो की आकांक्षा प्रयिदशरिनी को छऊ नृत्य के लिये जूनियर फेलोशिप अवॉर्ड के लिये चुना गया है।
- यह फेलोशिप अवॉर्ड संस्कृता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वशिष्ट कला-साधकों को दया जाता है, जसिका चयन राष्ट्रीय स्तर पर होता है। यह फेलोशिप दो वर्ष के लिये मलिता है, जसि योजना के अनुसार छह माह का अतरिकित वसितार दयि जाने का भी प्रावधान है।
- नीलम नीरद जनजातीय जादोपटिया चित्रकला की प्रख्यात कलाकार हैं। इनकी कलाकृतियाँ राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनियों में सराही गई हैं। ये सम्मानति भी होती रही हैं।
- जादोपटिया चित्रकला का संबंध संताल जनजातसे है। इस शैली के चित्र कागज और कपड़े के लंबवत् पट (स्क्रॉल) पर बनाये जाते हैं। प्रत्येक पट के अलग अलग वषिय होते हैं और एक पट पर 16 से 32 चित्र तक होते हैं। इन्हें प्राकृतिक रंगों से बनाया जाता है और पारंपरिक कलाकार इसे दखिते समय गीत भी गाता है, जसिमें चित्रों की कथा का वर्णन होता है।
- नीलम नीरद ने इसके वंशानुगत कलाकारों से सीख कर इस चित्रकला शैली को आगे बढा रही हैं और इसमें कई प्रयोग भी उन्होंने कयि हैं।



